ऐ पैगम्बर! जो कुछ तुम्हारे ऊपर तुम्हारे रब की तरफ़ से उतरा है उसे पहुँचा दो. और अगर तुमने ऐसा नहीं किया

तो तुमने अल्लाह के पैग़ाम को नहीं पहुँचाया. और अल्लाह तुम्हें लोगों से बचाएगा..... (अल-माइदा :67)

कुरआन क़यामत तक के सारे इंसानों के लिए ख़ुदा की तरफ़ से आई हुई गाइड-बुक (यानी किताबे-हिदायत) है. ख़ुदा की तरफ़ से सारे पैग़म्बर इसीलिए आते थे कि वे इंसानों तक उनके रब का पैग़ाम पहुँचा दें. दौरे-िरसालत में इंसानों तक उनके रब का पैग़ाम पहुँचाना जितना ज़रूरी था उतना ही ज़रूरी दौरे-िरसालत के बाद के इंसानों तक पहुँचाना है.

कुरआन ख़ुदा का आख़िरी और महफ़ूज़ पैग़ाम है. कुरआन ज़िंदगी की हक़ीक़त और उसका अंजाम बताता है. कुरआन इंसानों के तालुक़ से ख़ुदा के मंसूबे को बताता है. कुरआन यह वाज़ेह करता है कि मौत से पहले के दौरे–हयात में ख़ुदा को इंसान से कैसी ज़िंदगी मतलूब है. और मौत के बाद इंसान के साथ क्या पेश आने वाला है.

कुरआन के मुताबिक़ इंसान का सबसे बड़ा मसला आख़िरत का मसला है, आख़िरत की कामयाबी ही ह़क़ीक़ी कामयाबी है और आख़िरत की नाकामी ही ह़क़ीक़ी नाकामी. कुरआन जिस मसले से इंसान को आगाह करता है वह क़यामत तक के हर इंसान से जुड़ा हुआ मसला है. लिहाज़ा उन तक ख़ुदा का पैग़ाम यानी 'कुरआन' पहँचाना नागुज़ीर है. तािक लोग उस मसले से आगाह हो जाएं.

अब चूँकि पैग़म्बर आने वाले नहीं हैं इसलिए अब 'उम्मते—मुहम्मदी' की यह नागुज़ीर ज़िम्मेदारी है कि वह ख़ुदा का पैग़ाम सारे इंसानों तक पहुँचा दे. इसी काम को अंजाम देने पर उम्मत की दिनया में फलाह है और आख़िरत में नजात.

क्या ये लोग कुरआन में ग़ौर नहीं करते या उनके दिलों पर ताले लगे हुए हैं? (47:24)

कुरआन का हक़ीक़ी मोमिन व क़ारी वही है जो कुरआन को ग़ौर-व-फ़िक्र के साथ समझ कर पढ़े और उसी के मुताबिक़ ख़ुद अपनी ज़िंदगी का नक़्शा बनाए और ख़ुदा का पैग़ाम 'कुरआन' दूसरे इंसानों तक पहुँचाए.

Al-Quran Publication Contact: 09767172629

www.alquranpublication.com

Hadia ₹80

ख़ुदा का

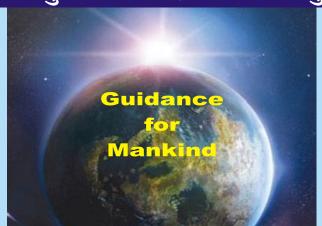
आख़िरी और महफूज़ पैग़ाम

कुर अनि हिंदी में

हिंदी में कुरआन का निहायत आसान तर्जुमा



Al-Quran Publication



Al-Quran Publication

-producing the clear & quality translations

A Message By Al-Quran Publication

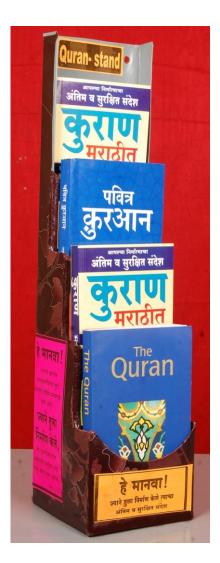
कुरआन सारे इंसानों के लिए ख़ुदा का महफूज़ हिदायतनामा (Preserved Guide Book) है. जमीन के ऊपर और आसमान के नीचे ख़ुदा की मर्ज़ी और उसका creation plan जानने का वाहिद ज़िरया है. Al-Quran Publication का Goal यह है कि ख़ुदा के बंदों तक ख़ुदा की किताब पहुँच जाये और लोग ख़ुदा का creation plan जान लें तािक, कल ख़ुदा की अदालत में कोई यह कह न सके कि ख़ुदाया! मुझे तो इस Available Guide Book के बारे में कुछ भी पता नहीं था. जिसमें तूने ज़िंदगी की हक़ीक़त बतायी थी और जिन लोगों पर तेरा पैग़ाम पहुँचाने की ज़िम्मेदारी थी. उन्होंने मुझ तक उसे नहीं पहुँचाया.

इसलिए आपसे गुज़ारिश है कि आप अपनी हैसियत के मुताबिक़ यह सारे 'इंसानों की अमानत' उन तक पहुँचाने के Mission में अपना हाथ बटाएँ. आप 5/50/500 या उससे ज़्यादा ख़ुदा के बंदों तक कुरआन पहुँचा सकते हैं. इस तरह जो–जो इन्सान आप के contact में आ रहे हैं, उन्हें आप ख़ुदा के contact में लाने का ज़रिया बन सकते हैं. ख़ुदा का पैग़ाम पहुँचाने के ताल्लुक़ से कुरआन में साफ़–साफ़ अल्फ़ाज़ में यह हुक्म दिया गया है.

- 1) ... उस चीज़ को (सारे इन्सानों तक) पहुँचा दो जो अल्लाह ने नाज़िल की है...(5:67)
- 2)पहुँचाना तुम्हारा काम है और हिसाब लेना हमारे ज़िम्मे है.(13:40) दावत का यह काम, करने का नागुज़ीर काम है. क्योंकि इसी काम की बुनियाद पर इन्सानों के हमेशा के मुस्तक़बिल का फैसला होने वाला है.

हर घर में 'ख़ुदा का पैग़ाम' पहुँचाने के अल-क़ुरआन पब्लिकेशन के इस मिशन में आप अपनी हैसियत से शामिल हो जाइए.

Huge Quantity ₩ Cost Price \ Available \ compos \ compos \ 09767172629



तिजारत के साथ आख़िरत की तिजारत